सत्यमेव जयते

भारत सरकार
Government of India
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र
BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

आर.के. शर्मा
R.K.Sharma
अध्यक्ष, मीडीया संबंध एवं जन जागरूकता अनुभाग
Head, Media Relations & Public Awareness Sec.
इमेल /e-mail: sharmark@barc.gov.in
rksh111@gmail.com

सेंट्रल कांप्लेक्स सभागृह
Central Complex Auditorium,
ट्रांबे ,मुंबई Trombay, Mumbai 400085
दूरभाष Tel - (O) 2559 3617
(M) /9869406815 (R) 2781 2530
फैक्स/FAX : (022) 2551 9613

संदर्भ : एमआरएंडपीए/प्रेस/2010/10 दिनांक 11 मई , 2010

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस - 11 मई 2010

दिनांक 11 मई 2010 को भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के सेंट्रल कांप्लेक्स सभागृह में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि थे, रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, माटुंगा मुंबई के प्रोफेसर अनिरुद्ध बी. पंडित। ज्ञान प्रबंधन वर्ग के निदेशक डॉ.आर.बी.ग्रोवर ने वक्ता का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। मुख्य अतिथि का परिचय कराते हुए उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि आज की ज्ञान के आधार पर चलने वाली अर्थव्यवस्था में जो व्यक्ति सफलतापूर्वक ज्ञान प्रदान कर सकता है वह देश की एक मूल्यवान सम्पत्ति है और उन्होंने श्रोताओं को बताया कि प्रोफेसर पंडित ने विगत 15 वर्षों में 10 अवसरों पर आईसीटी का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक (बेस्ट टीचर) का पुरस्कार प्राप्त किया है।

प्रोफेसर पंडित ने "अनुसंधान तथा विकास ज्ञान का आदान-प्रदान और प्रौद्योगिकी- छिटपुट विचार।" विषय पर एक प्रस्तुति दी। प्रोफेसर पंडित ने अपने अपनी वार्ता में उल्लेख किया कि राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में बड़ी संख्या में भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के शोधपत्र प्रकाशित होते हैं और प्रौद्योगिकी में उनके रूपांतरण में कमी पर टिप्पणी की। उन्होंने इनके कारणों का विश्लेषण किया और निर्धारित सुपुर्दगीयोग्य परिणामों वाली, विभिन्न प्रकार की लक्षित परियोजनाओं के माध्यम से विकसित वैज्ञानिक ज्ञान के अनुप्रयोग हेतु आईसीटी-डीएई द्वारा अपनाए गए सफल मॉडल की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने ऐसे सफल अध्ययनों की भी चर्चा की जिन पर विज्ञान आधारित दृष्टिकोण द्वारा समाधान उपलब्ध कराए गए।

परमाणु ऊर्जा विभाग अपनी विभिन्न इकाइयों में सराहनीय अनुसंधान कार्य करने वाले वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों को होमी भाभा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पुरस्कार देकर सम्मानित करता है। वर्ष 2009 में जिन नौ लोगों ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए थे उन्होने अपने अनुसंधान के विषय पर अपनी-अपनी वार्ताएँ प्रस्तुत कीं। इन वार्ताओं का विवरण इस प्रकार है : श्री एन.शिवरामन, रसायन वर्ग, इंदिरा गाँधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र (आईजीकार) द्वारा : **लैन्थेनाइड्स तथा ऐक्टिनाइड्स का उच्च निष्पादन पृथक्करण** विषय पर; डॉ. हरिदास पाल, विकिरण एवं प्रकाशरसायनिकी प्रभाग, रसायनिकी वर्ग द्वारा : **अति आण्विक उपगमन तथा संभव अनुप्रयोगों का प्रयोग करते हुए प्रकाश- रासायनिक गुणधर्मों का समस्वरण** विषय पर; डॉ्.पी.के.पुजारी, विकिरण रसायनिकी प्रभाग, विकिरण रसायनिकी एवं आइसोटोप वर्ग, भापअ केंद्र द्वारा : **पॉजिट्रॉन स्पेक्ट्रमिकी: नैनोसंरचनाओं से बृहत अभियांत्रिकी पदार्थ तक** विषय पर; डॉ. आलोक चक्रबर्ती, आरआईबी वर्ग, वीईसीसी द्वारा: **वीईसीसी में आरआईबी विकास-लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ** विषय पर प्रस्तुतियाँ दी गईं।

डॉ.सुभाशीष मजुमदार का व्याख्यान डॉ. देबाशीष सेन, ठोस अवस्था भौतिकी प्रभाग, भौतिकी वर्ग, भापअ केन्द्र द्वारा: **लघु कोण न्यूट्रॉन प्रकीर्णन एवं लघु कोण एक्स-रे प्रकीर्णन के सैद्धांतिक पहलू** विषय पर प्रस्तुत किया गया। डॉ. एस.एम. यूसुफ, ठोस अवस्था भौतिकी प्रभाग, भौतिकी वर्ग, भापअ केंद्र द्वारा : **अभिलक्षकीय चुंबकीय पदार्थ : चुबकीय गुणधर्म एवं संभावित अनुप्रयोग** विषय पर; श्री ए. रामाराव, रिएक्टर इंजीनियरिंग प्रभाग, रिएक्टर अभिकल्पन एवं विकास वर्ग, भापअ केंद्र द्वारा: **मशीनों, संरचनाओं तथा उपकरणों की स्थिति के मॉनीटरन के लिए नैदानिक उपकरण के रूप में कंपन** विषय पर; डॉ.ए.के.सिन्हा, अभिकल्पन एवं विनिर्माण केन्द्र, भापअ केंद्र द्वारा : **1.सिंक्रोट्रोन कणपुंज रेखाओं के अनुप्रयोगों तथा 2. चंद्रयान-1 के लिए डीएसएम एंटिना की उप-परावर्तक स्थिति निर्धारण तंत्र के लिए उपकरणों का अभिकल्पन एवं विकास** विषय पर; श्री राजेश कलमाड़ी, कंप्यूटर प्रभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन वर्ग, भापअ केंद्र द्वारा : **भापअ केंद्र में उच्च निष्पादन अभिकलन एवं ग्रिड अभिकलन में विकास** विषय पर प्रस्तुतियाँ दी गईं।

श्रोताओं ने सभी नौ व्याख्यानों का बड़े चाव से सुना। वक्ताओं ने सामान्य भाषा का प्रयोग करके बातों को समझाने का प्रयास किया और आंकड़ों को बड़े ही सुबोध ढंग से प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रमुख वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों ने बहुत रुचि ली।

(आर. के. शर्मा)
अध्यक्ष, मीडिया संबंध एवं
जनजागरूकता अनुभाग